

Sect. 81. p. 170. edit. Bipont. τοῦ ἀδικεῖν γενομένου] Euseb. γενο-

μενον τοῦ ἀδικεῖν.

— οἴμαι δὲ καὶ ἔσονται καλοὶ καὶ γα-

θοὶ] Euseb. οἴμαι δὲ ἔσονται καὶ

ἄλλοι ἀγαθοὶ. Euseb. Cod. Colleg.

D. Ioh. κάλλοι καὶ γαθοὶ.

— ἐπιτρέπη] Cod. Bodlei. ἐπιτρέποι.

πάνυ ἐλλόγιμος γέγονεν εἰς] Euseb.

Cod. Colleg. D. Ioh. πάνυ γε ἐλ-

λόγιμος. Cod. Bodlei. et Euseb.

inferunt ante εἰς particulam καὶ,

margini Cod. Reg. ab alia manu

etiam adscripta est. Routhius

eam in textum recepit.

— οἱ δὲ πολλοὶ, ὧ ἀριστε, κακοὶ γί-

γνονται τῶν δυναστῶν] Cod. Bodlei.

καὶ pro κακοὶ. Euseb. Cod. Col-

leg. D. Ioh. οἱ τε δὴ ἄλλοι ὧ

ἀριστε καλλίχλεις ὅσοι γίνονται.

τῶν δὲ δικαστῶν ὅπερ ἔλεγον κ. τ.

λ. Eusebii quoque libri editi ha-

bent γίνονται. τῶν δὲ δικαστῶν,

ὅπερ ἔλεγον.

Sect. 82. p. 170. edit. Bipont. λάβη] Cod. Bodlei. λάβοι.

οὐδ' ὅστις] Euseb. οὐδ' ὅστις.

— ἀνίατος] Cod. Reg. ἀδύνατος. Sed

super scriptum est ἀνίατος. et sta-

tim δοκῆ pro δοκῆ Bas. 1. 2. et

Euseb. Cod. Colleg. D. Iohann.

— ἐνίστε δ' ἄλλην] Cod. Bodlei. ἄλ-

λη pro ἄλλην. Euseb. δὲ ἄλλην.

Sed Theodoret. Cod. Bodlei. Ἐλ-

ληνος pro ἄλλην.

Sect. 82. p. 171. edit. Bipont. ἢ ἄλλου τινός] Euseb. addit ψυ-

χὴν.